

Model Madarsa System

मॉडल मदरसा सिस्टम

माڈل مدرسہ کا نظام

مدارس کی تعلیم کی جدید کاری کی ایک منظم کوشش

**AN INTEGRATED APPROACH FOR
MODERNIZATION
OF MADARSA EDUCATION**

مدرسوں کی शिक्षा के आधुनिकीकरण
का एक एकीकृत प्रयास



Unite to Serve the Nation



Introduction

The madarsas have a great place in the promotion and survival of Islamic teachings and they have played a significant role in it. They are doing commendable works in almost all parts of the world. Therefore, no one can deny their services and importance. However, at present, especially in North India, they lack in modern education. Most of them are not teaching NCERT courses approved by government for modern education up to Secondary and Senior Secondary levels. There are several reasons for this: Even if they want to teach NCERT, they do not have the time in the current Madrasa education system. The biggest reason is lack of time, capacity, financial resources and infrastructure.

Although the Government of India is providing financial assistance to registered Madarsas to strengthen their infrastructure and other facilities so that modern education can be provided there along with Islamic education. There is no doubt that these projects have helped in enhancing the facilities in Madarsas to some extent, but there is neither a system nor effort to teach Islamic and modern education simultaneously.

Model Madarsa System is an attempt to improve the educational system of Madarsas so that they can meet the expectations of government and community simultaneously. They can impart modern education as per NCERT, without affecting Islamic education. Rather both the educations should be of high quality. The current proposed system is for this purpose and thus we have named it as M-NCERT (Madrasa Education system with NCERT). Under this system, 10 years of studies will be completed in 3 phases in the usual manner: (1) Primary - 5 years; (2) Middle - 3 years; (3) Secondary - 2 years. (4) Total duration 10 years. Thus, in 10 years 3 courses (Maulvi, Hafiz-e-Quran and High School) will be completed simultaneously and students will be able to get their certificates. Apart from this, they will have the necessary ability to hear, speak, read and write (LSRW) in four languages (Urdu, Arabic, English and Hindi).

If the madarsas adopt this system, hopefully the graduating students will be equipped with all the required education qualities They will be able to enroll themselves in any branch of their choice in any institute of modern education. They will also be ambassador of Islam in those fields. However, the students who decide to serve religion by specializing in religious education will be able to take admission in Madaris of Higher Education (Darul Uloom).

Since this system will meet government and community expectations and the madarsas will be financially self-sufficient, we hope and appeal to the Government of India to establish a Central Madarsa Board which can affiliate such Madaris and can recognize their Dual/ Triple degree program. It will be a major breakthrough in the development of the country and the society. All intellectuals and community well wishers are also requested to utilize their resources and capabilities to fulfill this need of the time of the community. We also request your full cooperation in this respect.

The Vision

All Madaris be equipped with proper capabilities to fulfill the need of Community in terms of Islamic and Modern Education, Leadership, Centers of Community needs for their welfare and be adaptive to be upgraded continuously in Islamic perspectives and National Aspirations.

The Mission

- Bridging the gap between Islamic and Modern Education
- Provision of Quality Education in the realm of society
- Multi facet Personality Development of the students in Islamic Perspectives
- Development of Leadership skill with Communal harmony and National Integrity

The Objectives

- To establish Model Madarsa System (MMS) based Madaris
- To upgrade existing Madaris as per standards of MMS
- To propagate Composite Teaching Methodology (CTM) in Madaris
- To train the teachers of Madaris for MMS and CTM
- To train the students as responsible citizen for National & International Platform
- To do public awareness about importance of MMS and CTM

مدارس کے لئے ایک نیا تدریسی طریقہ کار A New Teaching Approach

Composite Teaching

- Composite teaching methodology has been developed for better Madaris education. It simultaneously covers NCERT curriculum with Deeni education in Madaris and hence named as Madarsa-NCERT.

Multiple Certification

- The students in 10 years of schooling will get certificates:
 - Maulvi and High School
 - Maulvi, Hefiz-e-Quran and High School

Multilingual Personality

- The students will be capable of reading, writing, understanding and speaking Arabic, English, Urdu and Hindi languages.

Contact us for Teachers' Training

परिचय

मदरसों का इस्लामिक शिक्षाओं के प्रचार और अस्तित्व में बहुत बड़ा स्थान है और उन्होंने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में एक जबरदस्त काम कर रहे हैं। इसलिए, कोई भी उनकी सेवाओं और महत्व से इनकार नहीं कर सकता है। परन्तु वर्तमान में, विशेष रूप से उत्तरी भारत में, उनमें आधुनिक शिक्षा का अभाव है। उनमें से ज्यादातर Secondary and Senior Secondary समअमस तक सरकार द्वारा अनुमोदित आधुनिक शिक्षा के लिए NCERT कोर्सवर्क नहीं पढ़ा रहे हैं। इसके कई कारण हैं: अगर वे NCERT को पढ़ाना भी चाहें तो उनके पास वर्तमान मदरसा शिक्षा प्रणाली में इसकी क्षमता नहीं है। सबसे बड़ा कारण समय, क्षमता, वित्तीय साधन और बुनियादी सुविधाओं की कमी है।



भारत सरकार पंजीकृत मदरसों को इस्लामी शिक्षा के साथ आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए बुनियादी ढांचे और अन्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि ये परियोजनाएं कुछ हद तक मदरसों में सुविधाओं को बढ़ाने में मदद करती हैं, लेकिन एक ही समय में इस्लामी और आधुनिक शिक्षा को पढ़ाने के लिए कोई प्रणाली नहीं है और न उसके लिए कोई कोशिश है।

माडल मदरसा प्रणाली में यही प्रयास किया गया है कि मदरसों की शैक्षिक प्रणाली में सुधार हो जाये ताकि वे इस्लामी शिक्षाओं के साथ-साथ सरकार और समुदाय की अपेक्षाओं को पूरा कर सकें। वे इस्लामी शिक्षा को कम किये बिना, आधुनिक शिक्षा NCERT के मुताबिक दे सकें। बल्कि दोनों शिक्षाएं उच्च कोटि की हों। वर्तमान प्रस्तावित प्रणाली इसी उद्देश्य के लिए है और इस प्रकार हमने इसे एक नया नाम M-NCERT दिया है (मदरसा NCERT प्रणाली के साथ)। इस प्रणाली के तहत, सामान्य ढंग से ३ भागों में १० साल की पढ़ाई होगी: (१) प्राथमिक - ५ वर्ष (२) मध्य- ३ वर्ष (३) माध्यमिक- २ वर्ष। (४) कुल अवधि १० वर्ष। इस प्रकार, १० वर्षों में ३ पाठ्यक्रम (मौलवी, हिफ़ज़े कुरान और हाई स्कूल) एक साथ पूरे किए जायेंगे और बच्चों उनके Certificates प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा चार भाषाओं (उर्दू, अरबी, अंग्रेजी और हिंदी) में सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना (LSRW) की आवश्यक क्षमता उनमें पैदा होगी।

उम्मीद है, अगर मदरसे इस प्रणाली को अपनाते हैं, तो उनसे पढ़ कर निकलने वाले छात्र आवश्यक सभी सुविधाओं से लैस होंगे। और वे मदरसों के अलावा किसी भी क्षेत्र में दाखिला लेकर इन क्षेत्रों में इस्लाम का परिचय करने के साथ अपने योग्यता को बढ़ा सकेंगे। जो छात्र धार्मिक शिक्षा में विशेषज्ञता प्राप्त करके धर्म की सेवा करने का निर्णय लेते हैं, वे बड़े मदरसों (दारुल उलूम) में दाखिला लेकर इस आवश्यकता को पूरा कर सकेंगे।

चूंकि यह प्रणाली सरकार और समुदाय दोनों की अपेक्षाओं को पूरा करेगी और मदरसे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होंगे, इसलिए हम भारत सरकार से अपील करते हैं कि एक केंद्रीय मदरसा बोर्ड (Central Madarsa Board) की स्थापना की जाय जहाँ इस प्रणाली पर काम कर रहे मदरसों और उनके द्वारा दी जाने वाली डिग्री के कार्यक्रम को मान्यता प्रदान की जाय ताकि देश और राष्ट्र के विकास की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हो सके। देश के सभी बुद्धिजीवियों और बाअसर लोगों से भी आग्रह है कि वे अपने अधिकारों और क्षमताओं का उपयोग कर समुदाय की इस महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा लिए आवश्यक कार्यवाही करें! आप सभी से इस विषय में भरपूर योगदान की प्रार्थना है।

विजन (Vision)

दीनी तालीम के मामले में समुदाय की जरूरत को पूरा करने के लिए सभी मदरसों को उचित क्षमताओं से लैस किया जाएगा ताकि वे दीनी एवं आधुनिक शिक्षा, नेतृत्व, राष्ट्र कल्याण और सामाजिक आवश्यकताओं का मरकज़ बनें। वे धार्मिक शिक्षा और राष्ट्रीय उम्मीदों को प्रभावित किए बिना समय की आवश्यकता के अनुसार सभी क्षेत्रों में और उनके कार्यों में लगातार ऊपर उन्नयन की विधि अपनाने वाले बन जाएं।



मिशन (Mission)

- धार्मिक और आधुनिक शिक्षा के बीच की खाई को भरना
- समाज की आवश्यकता के अनुसार उच्च शिक्षा मानकों की व्यवस्था करना
- इस्लामिक (Perspective) में छात्रों के बहुआयामी पहलुओं को विकसित करना
- छात्रों में उच्च और गुणवत्ता वाले नेतृत्व के साथ राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देना।

उद्देश्ये (Objectives)

- महडल मदरसा प्रणाली (MMS) पर आधारित मदरसों की स्थापना
- मौजूदा मदरसों को माडल मदरसा प्रणाली (MMS) के तहत संचालित करना
- मदरसों में Composite Teaching Methodology (CTM) को बढ़ावा देना
- MMS और CTM के तहत मदरसा शिक्षकों को पढ़ाने के लिए प्रशिक्षण देना
- छात्रों को अच्छे और ज़िम्मेदार नागरिक बनने और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करने में सक्षम बनाना।
- जनता में माडल मदरसों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना।

A New Teaching Approach

मदरसों के लिए एक नई शिक्षण पद्धति

- एकीकृत शिक्षण प्रणाली **Composite Teaching**
NCERT पाठ्यक्रम के तहत छात्रों को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए एक एकीकृत शिक्षण प्रणाली विकसित की गई है। इसका नाम मदरसा NCERT है।
- कई प्रमाणपत्र **Multiple Certification**
 - हाई स्कूल, हिफ़ज़े कुरान एवं मौलवी सर्टीफिकेट्स
 - हाई स्कूल एवं मौलवी सर्टीफिकेट्स
- बहुभाषी व्यक्तित्व **Multilingual Personality**
छात्रों में अरबी, अंग्रेज़ी, उर्दू और हिंदी पढ़ने, लिखने, समझने और बोलने की क्षमता विकसित होगी।



اے میرے اللہ میرے علم میں اضافہ فرما۔

- طلباء کی اچھے اور ذمہ دار شہری بننے اور قومی و بین الاقوامی سطح پر کام کرنے کے قابل بنانا
- عوام میں ماڈل مدرسہ کی اہمیت کے تئیں بیداری پیدا کرنا۔

New Teaching Approach A

مدارس کے لئے ایک نیا تدریسی طریقہ کار

مربوط تدریسی نظام Composite Teaching
ایک مربوط تدریسی نظام تیار کیا گیا ہے تاکہ طلباء کو دینی تعلیم کے ساتھ عصری تعلیم NCERT نصاب کے تحت دی جاسکے۔ اس کا نام مدرسہ NCERT رکھا گیا ہے۔

ایک سے ذائد اسناد Multiple Certification

طلباء 10 سال میں مندرجہ ذیل اسناد حاصل کر سکیں گے:

- مولوی کی سند کے ساتھ ہائی اسکول یا
- مولوی و حفظ قرآن کی اسناد کے ساتھ ہائی اسکول

کثیر لسانی شخصیت Multilingual Personality

طلباء میں عربی، انگریزی، اردو اور ہندی کو پڑھنے، لکھنے، سمجھنے اور بولنے کی صلاحیت پیدا ہو جائے گی۔

میشن (Mission)

- دینی اور عصری تعلیم کے درمیان خلاء کو پر کرنا
- سوسائٹی کی ضروریات کے مطابق اعلیٰ تعلیمی معیار کا بندوبست کرنا
- اسلامی نقطہ نظر سے طلباء کی کثیر شخصیتی پہلوؤں کو اجاگر کرنا
- طلباء میں اعلیٰ اور معیاری قیادت کے ساتھ قومی یک جہتی اور فرقہ وارانہ ہم آہنگی کو فروغ دینا

مقاصد (Objectives)

- ماڈل مدرسہ نظام (MMS) پر مبنی مدارس کا قیام
- موجودہ مدارس کو ماڈل مدرسہ نظام (MMS) کے تحت کام کرنے کے قابل بنانا
- مدارس میں مربوط تدریسی نظام (Composite Teaching Methodology) کو فروغ دینا
- مدارس کے اساتذہ کو MMS اور CTM کے تحت پڑھانے کی تربیت دینا۔

چندہ کی تفصیلات مندرجہ ذیل ہیں۔

Yes Bank A/C No: 00888870000169

AL QALAM Foundation

The MMID of Yes Bank is: 9532888

IFSC Code: YESB0000088

آپ اپنا عطیہ (صدقہ، خیرات، زکات وغیرہ)

www.alqalamindia.com کے ذریعے بھی دے سکتے ہیں۔

برائے مہربانی عطیات کی حد ضرور لکھیں۔

اساتذہ کی تربیت کے لئے ہم سے رابطہ کریں

تعارف

ہوگی: (1) پرائمری - 5 سال؛ (2) مڈل - 3 سال؛ (3) ثانوی - 2 سال۔ (4) کل مدت 10 سال۔ اس طرح 10 سال کی مدت میں 3 کورس (مولوی، حفظ قرآن اور ہائی اسکول) بیک وقت پورا کریں گے اور ان کی اسناد حاصل کریں گے۔ اسی کے ساتھ ان میں چاروں زبانوں (اردو، عربی، انگریزی، اور ہندی) میں Listening, Speaking, Reading and Writing (LSRW) کی مطلوبہ صلاحیت پیدا ہوگی۔

ہم امید کرتے ہیں کہ اگر مدارس نے اس نظام کو اپنایا تو ان سے فارغ ہونے والے طلباء مطلوبہ تمام خصوصیات سے لیس ہونگے۔ اور وہ اس قابل ہونگے کہ مدارس کے علاوہ کسی بھی شعبہ میں داخلہ لیکر اپنی صلاحیتوں میں مزید اضافہ کر سکیں اور اسلام کو ان شعبوں میں متعارف کرا سکیں۔ البتہ جو طلباء اپنی مرضی سے یہ طے کریں کہ وہ دینی تعلیم میں ہی تخصص حاصل کر کے دین کی خدمت کریں گے وہ بڑے مدارس دارالعلوم میں داخلہ لیکر اس ضرورت کو پورا کر سکیں گے۔

چونکہ یہ نظام سرکاری اور کمیونٹی کی امیدوں کو پورا کریگا اور مدارس مالی اعتبار سے خود کفیل ہونگے اس لئے ہم امید کرتے ہیں اور بھارت سرکار سے اپیل بھی کرتے ہیں کہ ایک سنٹرل مدرسہ بورڈ (Central Madarsa Board) کی تشکیل کیجائے جہاں اس نظام کے تحت چلنے والے مدارس اور ان کے Dual Degree Program کو تسلیم (Recognize) کیا جائے تاکہ ملک و قوم کی ترقی میں ایک بڑی کامیابی حاصل ہو سکے۔ تمام دانشوران قوم و دردمنداں ملت سے بھی گزارش ہے کہ وہ اپنے وثوق اور صلاحیتوں کا استعمال اس ملٹی ضرورت کو پورا کرنے میں آپ سے اس سلسلہ میں بھرپور تعاون کی درخواست ہے۔

اسلامی تعلیمات کے فروغ اور ان کی بقاء میں مدارس کا بڑا مقام ہے اور انہوں نے اس میں اہم کردار ادا کیا ہے۔ وہ دنیاں کے تقریباً تمام حصوں میں انتہائی قابل قدر کام کر رہے ہیں۔ لہذا کوئی بھی ان کی خدمات اور اہمیت سے انکار نہیں کر سکتا۔ تاہم دور حاضر میں، خاص طور پر شمالی بھارت میں، اس میں عموماً بنیادی ضروری عصری تعلیم کا فقدان ہے۔ وہ Secondary and Senior Secondary level تک حکومت کے ذریعہ منظور شدہ NCERT کے کورس کی تعلیم نہیں دے رہے ہیں اس کی بہت سی وجوہات ہیں۔ اگر وہ NCERT کورس کو شامل کرنے کے خواہش مند بھی ہوں تو ان کے پاس مدرسہ کی تعلیم کے موجودہ نظام میں اس کی گنجائش نہیں ہے۔ سب سے بڑی وجہ وقت، صلاحیت، مالی وسائل اور بنیادی سہولیت کی کمی ہے۔

حالانکہ بھارت سرکار رجسٹرڈ مدارس کو مالیاتی امداد فراہم کرتی ہے تاکہ اسلامی تعلیم کے ساتھ ان میں عصری تعلیم کی فراہمی کے لئے بنیادی ڈھانچے اور دیگر سہولتیں بڑھ جائیں۔ اس بات میں کوئی شک نہیں کہ اس منصوبوں سے کچھ حد تک مدرسوں کی حیثیت کو بہتر بنانے میں مدد ملتی ہے لیکن ایسی درس و تدریس جس میں اسلامی اور عصری تعلیم بیک وقت دی جاسکے اس کا کوئی نظم نہیں ہے۔

ماڈل مدرسہ نظام میں اس بات کی کوشش ہے کہ مدارس کا تعلیمی نظام اس درجہ بہتر ہو جائے کہ وہ اسلامی تعلیمات کے ساتھ ساتھ، سرکاری اور کمیونٹی کی امیدوں کو پورا کر سکیں اور وہاں اسلامی تعلیم کو کم کئے بغیر، NCERT کے مطابق جدید تعلیم دی جاسکے، بلکہ دونوں تعلیمات مزید بہتر اور اعلیٰ درجہ کی ہو سکیں۔ موجودہ پیشکش اسی مقصد کے لئے ہے اور اس طرح ہم نے NCERT کو ایک نیا نام M_NCERT دیا ہے (یعنی مدرسہ NCERT نظام کے ساتھ) اس نظام کے تحت 10 سال کی پڑھائی حسب معمول 3 حصوں میں

(Vision) اولین مقصد

تمام مدارس کو مناسب صلاحیتوں سے لیس کیا جائے گا تاکہ وہ بہتر دینی تعلیم کے ساتھ ساتھ (ملک و قوم کی ترقی کے لئے) جدید تعلیم، قیادت، امت کی فلاح و بہبود اور سماجی ضروریات کے مراکز بنیں وہ دینی تعلیم اور قومی امیدوں کو متاثر کئے بغیر وقت کی ضرورت کے مطابق سبھی شعبوں میں اور ان کی کارروائیوں میں مسلسل اپ گریڈیشن کے طریقہ کار کے اپنانے والے بن جائیں۔

ماڈل مدرسہ کا نظام

مدارس کی تعلیم کی جدید کاری کی ایک منظم کوشش

- توجہ کا مرکز: دینی مدارس
- زندگی کو تبدیل کرنا بذریعہ:
 - تعلیم
 - ہنرمندی
 - باختیار زندگی

Al-Qalam Foundation (Regd.)

Registration No. 476

Registered at:

545/6A Zakir Nagar, Okhla, New Delhi

Working Office:

Nagina House, Adam Nagar, Barauli Road,

Aligarh, UP, India

Mobile: +91-9536322688

Email: foundationalqalam@gmail.com

www.alqalamindia.com